were 29 strikes in Government of India factories during 1955 and the total number of man-days lost is 56,345.

मद्रास-बंगलौर डाकगाड़ी

६६३. **श्री जी० एल० चौधरी** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि २० दिसम्बर १९५५ को मेलपट्टी में मद्रास-बंगलौर डाकगाड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गयी थी;

(ख) यदि हां, तो इस दुर्घटना के क्या कारण थे; और

(ग) इससे कितनी क्षति हुई ?

रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलगेशन) (क) २० दिसम्बर, १९५५ की रात को लगभग १ बजकर २२ मिनट पर, जब १०।२० वाली डाउन माल गाड़ी दक्षिण रेलवे के मद्रास-जलारपेट सेक्शन में मेलपट्टी स्टेशन की लूप लाइन पर खड़ी थी, नं० ३०७ डाउन मद्रास-बंगलौर डाकगाड़ी भी उसी लाइन पर आ पहुंची और डाउन माल गाड़ी के पिछले भाग से टकरा गयी।

(ख) इस टक्कर का कारण यह था कि मालगाड़ी लेने के लिए जो सिगनल गिराया गया था उसे उठाकर फिर 'आन' की स्थिति में नहीं रखा गया और गिरा हुआ सिगनल देखकर ३०७ डाकगाड़ी का ड्राइवर रुकी हुई लाइन पर गाड़ी ले गया।

(ग) रेल-सम्पत्ति को लगभग ३०० रुपये का नुकसान हुआ।

केलोद स्टेशन

६६४. **श्री चांडक** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नागपुर-नैनपुर लाइन के केलोद स्टेशन पर प्रतीक्षालयों, गुड्स शेडों, लाइन पर पार करने के पुलों और छत वाले प्लेटफार्मों पर पीने के पानी की व्यवस्था न होने से यात्रियों को असुविधा होती है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की है ?

रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलगेशन): (क) तथा (ख). जी नहीं। स्टेशन पर यात्रियों के लिए पीने के पानी का प्रबन्ध है और इस काम के लिए पानी पिलाने वाले भी रखे गये हैं। स्टेशन पर कोई माल गोदाम, क्रासिंग पुल या छतदार प्लेटफार्म नहीं है, इसलिए इन जगहों पर पीने के पानी की व्यवस्था का सवाल नहीं उठता। इस स्टेशन पर पीने के पानी की व्यवस्था में सुधार करने के लिए एक नल-कूप लगाया जा रहा है और पानी की वर्तमान व्यवस्था को बढ़ाया जा रहा है। यह काम चालू है और आशा है जल्दी ही पूरा हो जायेगा।

आसाम रेलवे लाईन

६६५. **श्री आर० एन० सिंह** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आसाम रेलवे लिंक लाइन की पटरियां उखाड़ी गयी थीं; और

(ख) यदि हां, तो इसके लिये जिम्मेवार लोगों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गयी है ?

रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलगेशन): (क) फिश बोल्ट और फिश प्लेट निकाल कर रेल की पटरियां उखाड़ने की दो घटनाओं का पता लगा था, जो २४-८-१९५३ और १७-३-१९५५ को हुई थीं।

(ख) अभी पुलिस को यह पता नहीं लगा है कि पटरियां उखाड़ने के लिए कौन लोग जिम्मेदार थे।

Train Accident

666. Shri Gidwani : Will the Minister of **Railways** be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a goods train went off the rails near Kalupara Ghat on the Howrah-Madras Line ;

(b) the number of casualties ;

(c) whether any enquiry has been made into the accident ; and

(d) if so, the result of the enquiry?

The Deputy Minister of Railways and Transport (Shri Alagesan): (a) At about 23·00 hours on 24th January, 1956 while No. 517 Up Goods